Under CSR Support by ipca | Foundation

RIICO

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई- पाठशाला

11th GEOGRAPHY

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

अध्याय-6 • भाग-08

08 OCT 2026 || 04:00 PM



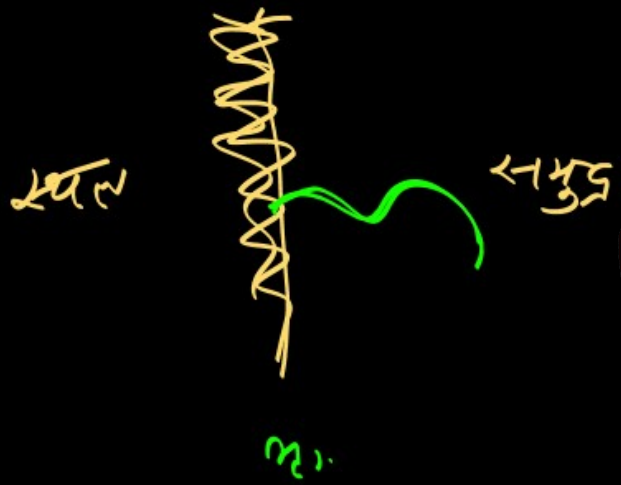
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लहरों व धाराओं

कार्य

तटीय भागों पर





तट

- ऊँचे चट्टानी तट
- निम्न अवसादी तट

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपरदित स्थलरूप

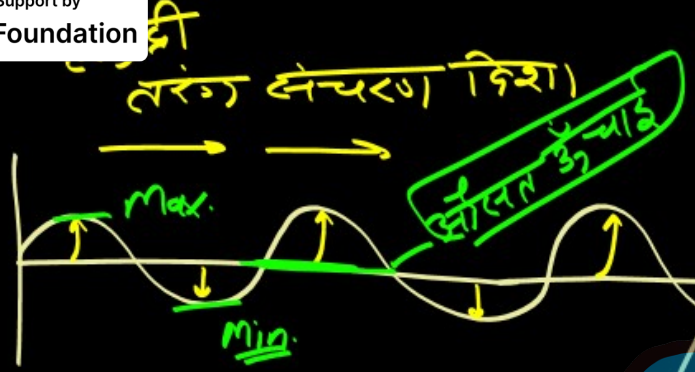


सागर किनारे की पहाड़ी के तरंगों द्वारा अपरदित होने पर निर्मित तीव्र ढाल वाली संरचना।



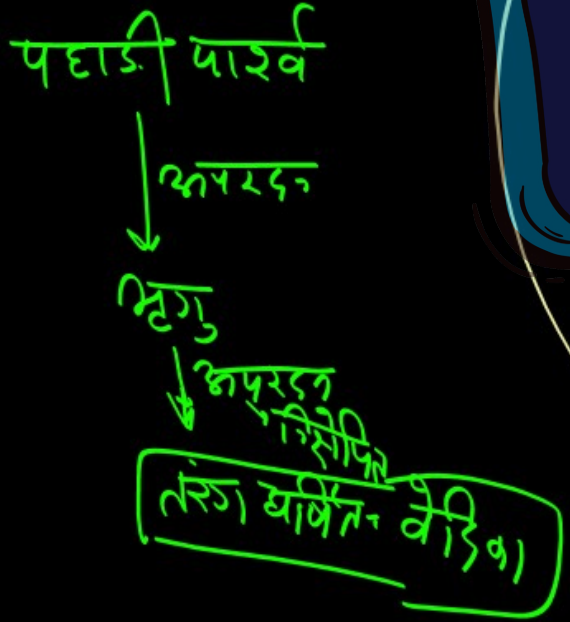
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



तरंग घर्षित वेदिकाएँ

- मंद ढाल वाला प्लेटफॉर्म जो समुद्री भृगु से प्राप्त मलबे से ढका हो।
- प्लेटफॉर्म तरंग की औसत ऊँचाई से ऊपर हो।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समुद्री कन्दरा

- भृगु के आधार पर तरंगे टकराती
- आधार पर रिक्त स्थान निर्मित
- गहराई तक खोखला



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पहाड़ी पार्श्व

↓

भृगु — तरंग घर्षित वेदिका

↓

समुद्री कन्दरा

↓

समुद्री स्टैक

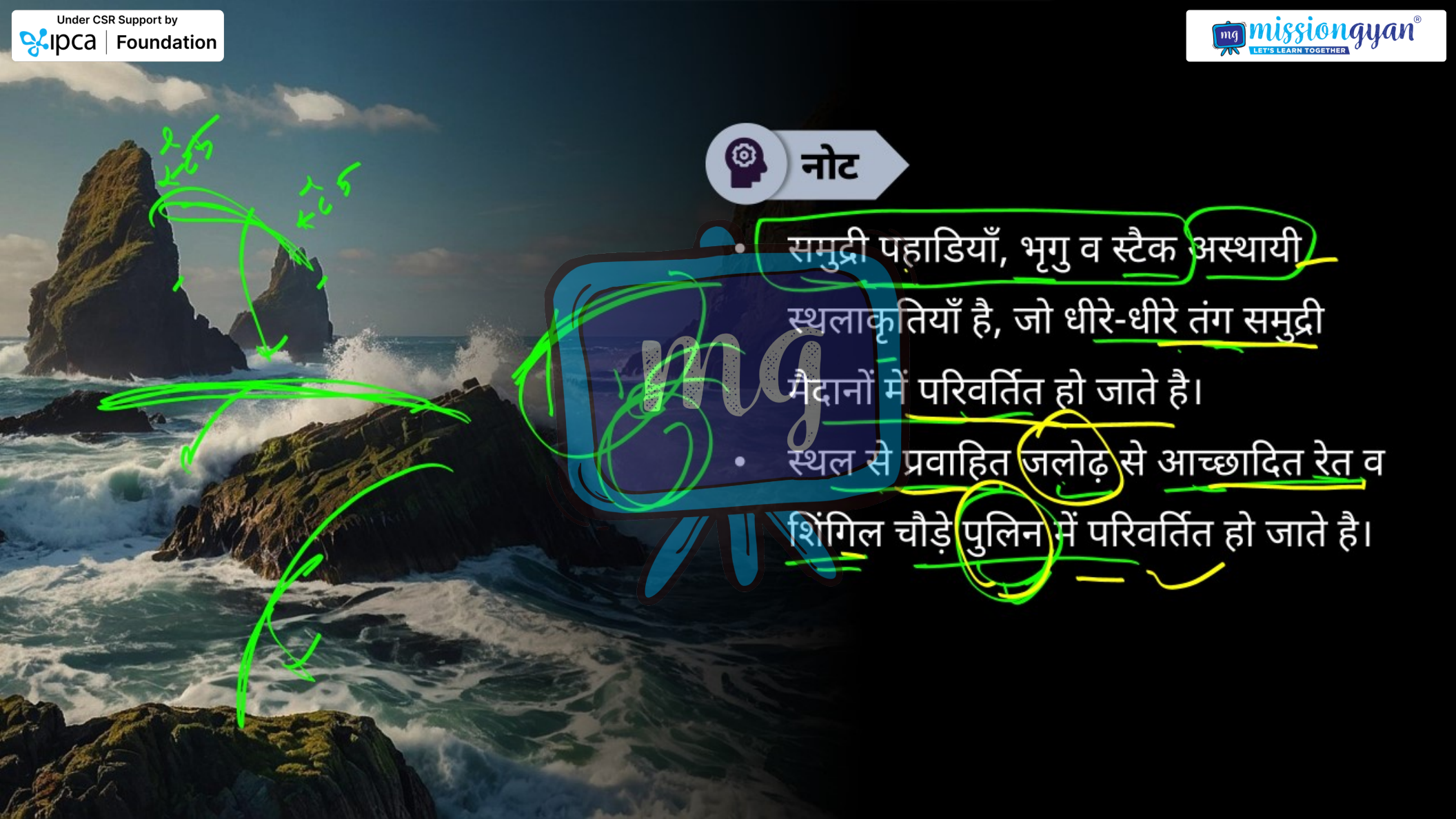
समुद्री स्टैक

- कन्दराओं की छत ध्वस्त
- भृगु स्थल की ओर हटते
- चट्टानों के अवशेष अलग-थलग छूट जाते है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नोट

- समुद्री पहाडियाँ, भृगु व स्टैक अस्थायी स्थलाकृतियाँ है, जो धीरे-धीरे तंग समुद्री मैदानों में परिवर्तित हो जाते है।
- स्थल से प्रवाहित जलोढ़ से आच्छादित रेत व शिंगिल चौड़े पुलिन में परिवर्तित हो जाते है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



निक्षेपित स्थलरूप

पुलिन (Beaches)

- नदियों व तरंगों द्वारा लाए अपरदित पदार्थों से निर्मित।
- अस्थाई स्थलाकृतियाँ।
- कुछ रेत पुलिन स्थायी प्रतीत।
- रेत के आकार के छोटे कणों से निर्मित।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

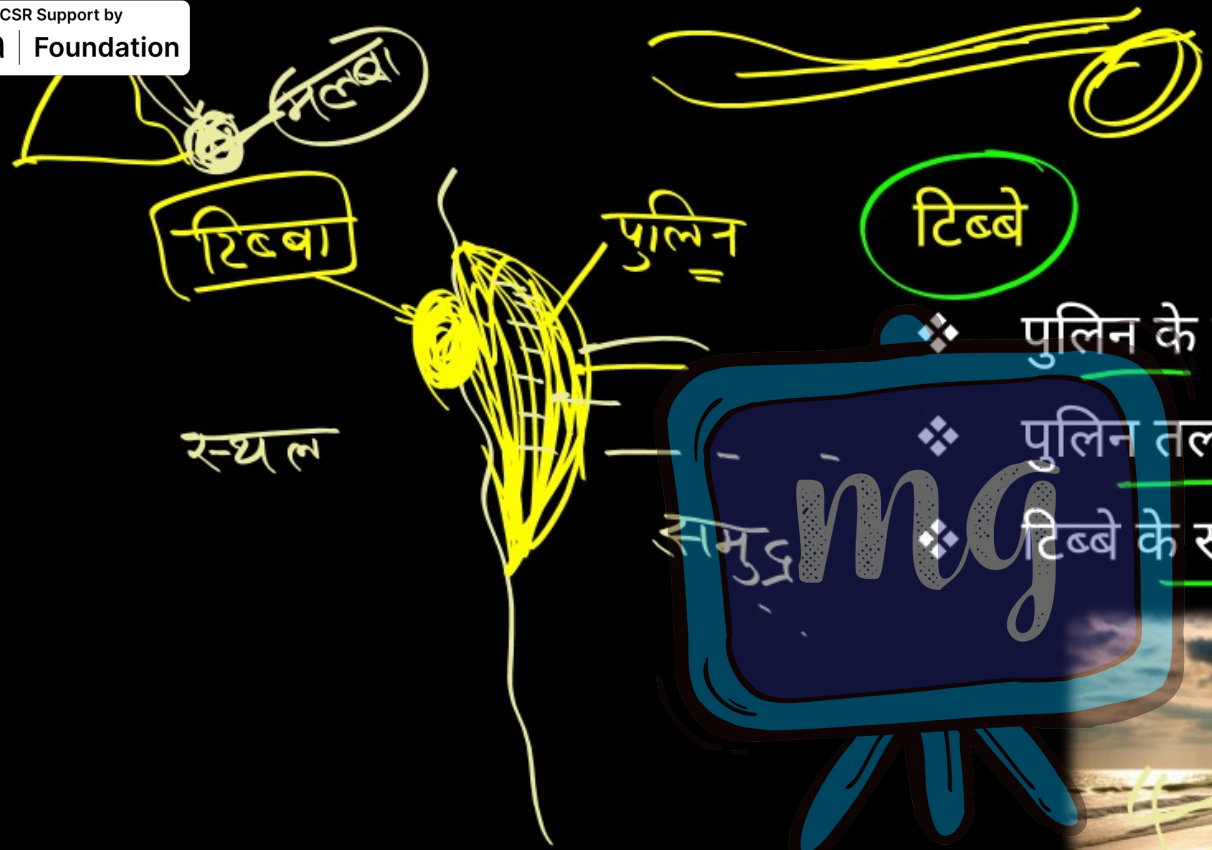
शिंगिल पुलिन

- अत्यधिक छोटी गुटिकाओं व गोलाश्मिकाओं से युक्त पुलिन।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



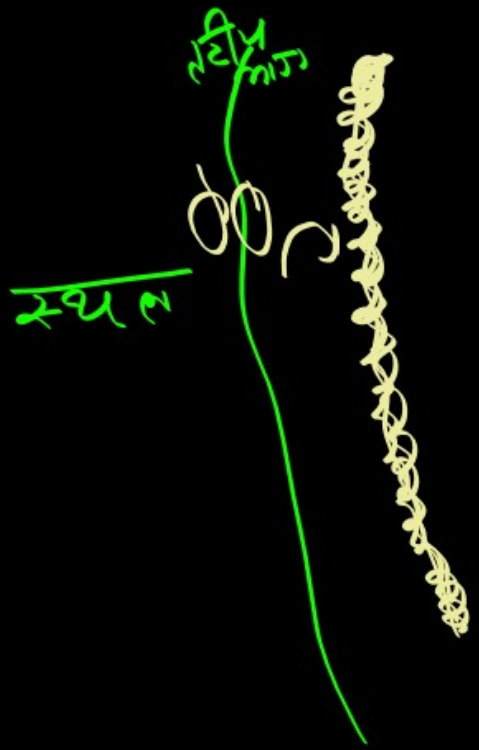
टिब्बे

- पुलिन के ठीक पीछे
- पुलिन तल से उठाई गई रेत
- टिब्बे के रूप में निक्षेपित



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अपतट रोधिका

- समुद्री अपतट पर
- तट के समान्तर पाई जाने वाली रेत और शिंगिल की कटक

रोध-रोधिका

- अपतटीय रोधिका जो रेत के अधिक निक्षेपण से ऊपर दिखाई पड़ती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

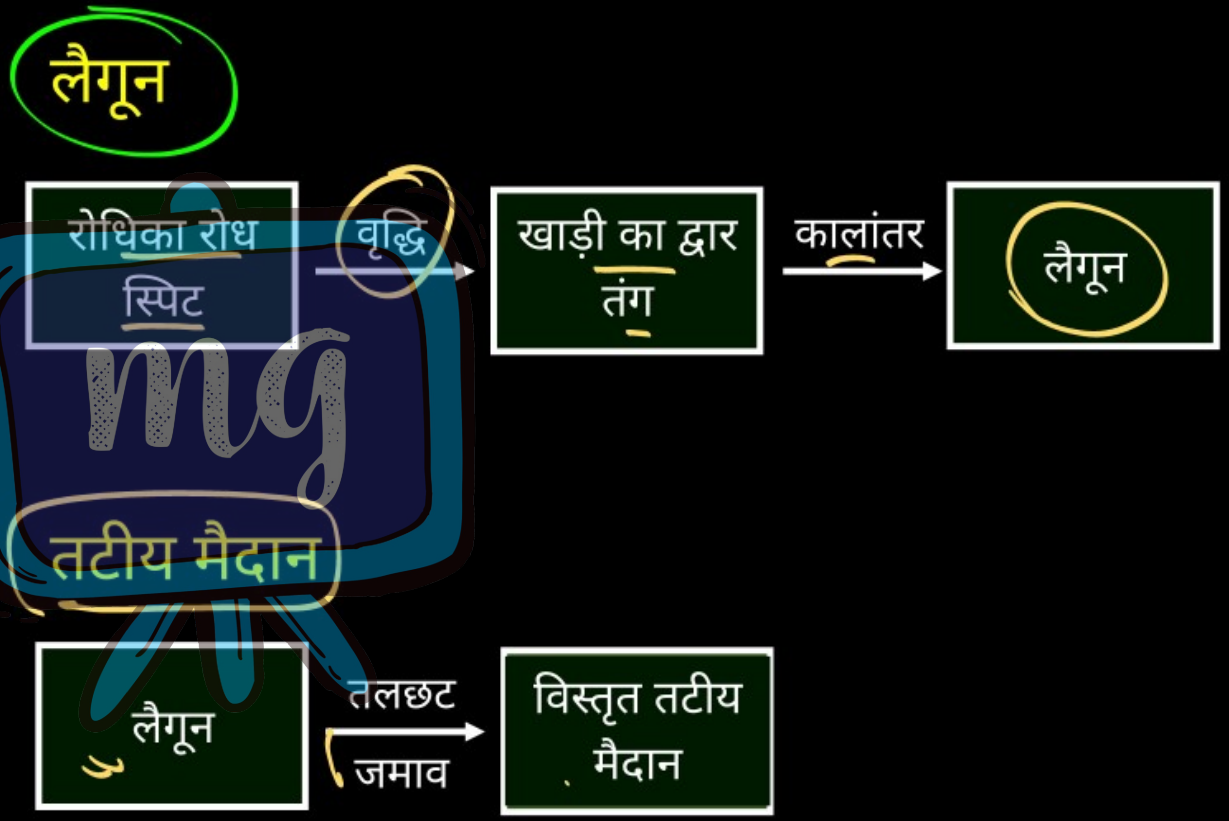
स्पिट

- जब रोधिका का एक सिरा खाड़ी से जुड़ा हो।
- शीर्ष स्थल से एक सिरा जुड़ने पर भी स्पिट निर्मित।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca Foundation

निक्षेपित स्थलाकृतियाँ

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पुलिन
  - रेत पुलिन
  - शिंगिल पुलिन
- टिब्बा
- अपतटीय शैधिका
- शैध-शैधिका
- स्पिट
- लैगून
- विस्तृत तटीय मैदान



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपरदनात्मक स्थलाकृतियाँ

ऊँचा चट्टानी समुद्री तट

- पहाड़ी
- भृगु → तरंग घर्षित वेदिका।
- समुद्री कन्दरा
- समुद्री स्टैक
- पुलिन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 तरंग व धाराओं के अपरदन से निर्मित स्थलरूप है-

अ भृगु

ब पुलिन

स रोधिका

द उपर्युक्त सभी

पहाड़ी पार्श्व के अपरदन से निर्मित

रेत व शिंगिल के निक्षेपण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 तरंग व धाराओं के निक्षेपण से निर्मित स्थलरूप है-



अ कन्दराएँ

ब वेदिकाएँ

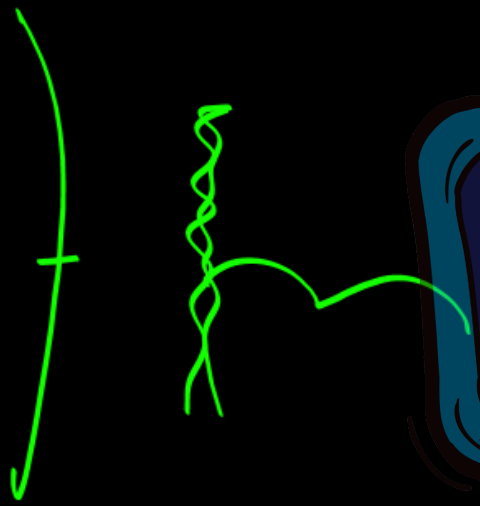
स स्पिट

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 निम्न में से सत्य कथन की पहचान कीजिए-



अ भारत के पश्चिमी तट पर अपरदित स्थलाकृतियाँ बहुतायत में हैं।

ब भारत के पूर्वी तट पर निक्षेपित स्थलाकृतियाँ है।

स समुद्र के अपतट पर बनी रोधिकाएँ तूफान व सुनामी लहरों के आक्रमण के समय सर्वप्रथम बचाव करती है।

द उपर्युक्त सभी सत्य है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

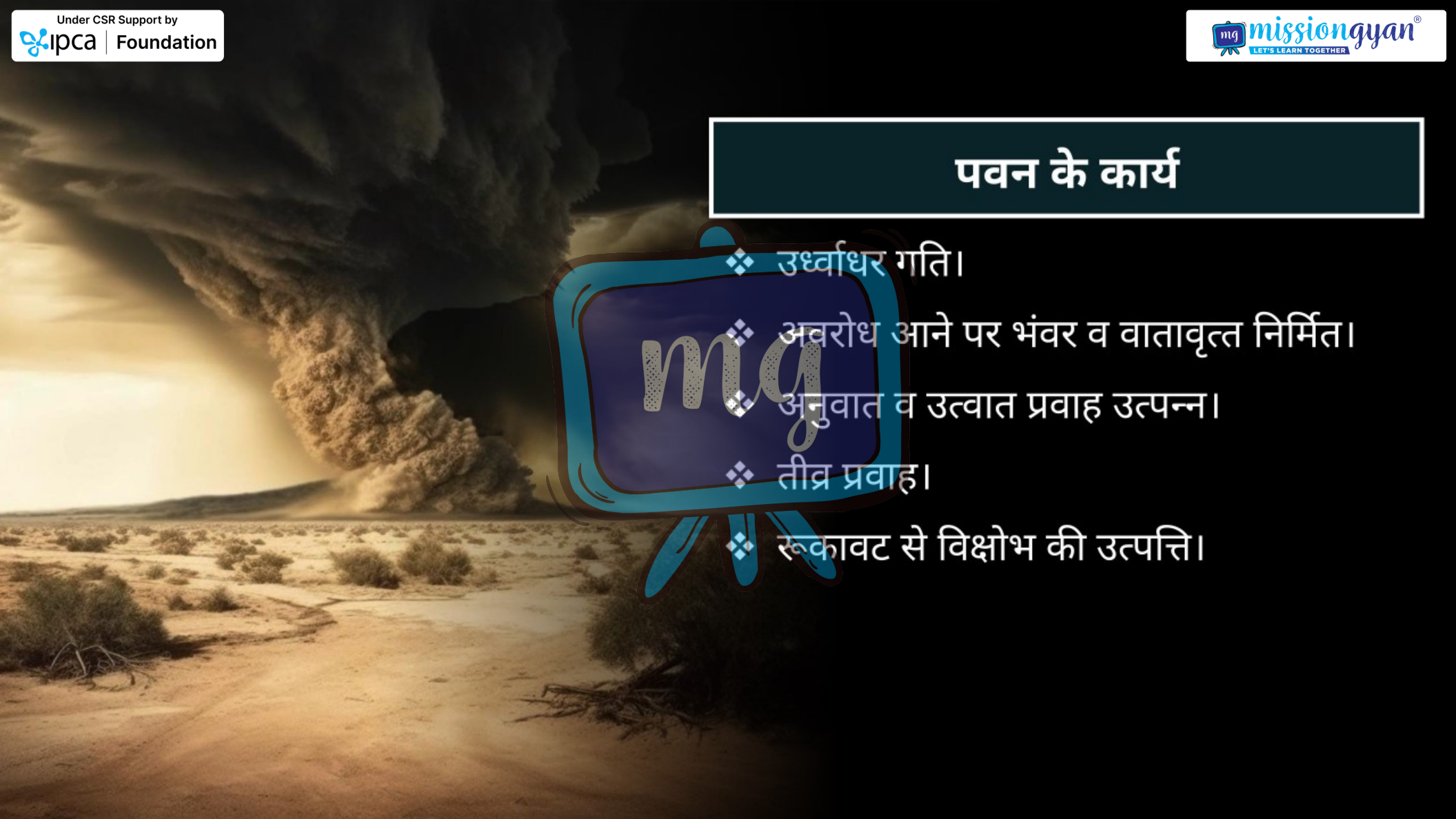
पवन

- गतिशील वायु।
- उष्ण मरूस्थलों में अनाच्छादन कारक।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



पवन के कार्य

- उर्ध्वाधर गति।
- अवरोध आने पर भंवर व वातावृत्त निर्मित।
- अनुवात व उत्वात प्रवाह उत्पन्न।
- तीव्र प्रवाह।
- रुकावट से विक्षोभ की उत्पत्ति।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाहन

- पवन द्वारा चट्टानों के छोटे कण व धूल को उठाना।

कर्षण/अपघर्षण

- वायु की परिवहन क्रिया में रेत व बजरी कणों का धरातलीय चट्टानों पर चोट पहुँचाकर घर्षण करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नोट

- मरूस्थलीय चट्टानें वनस्पति विहीन होने के कारण तथा दैनिक तापान्तर के कारण यांत्रिक व सारायनिक अपक्षय से प्रभावित रहती है।
- अपक्षय जनित मलबा पवन, वर्षा व वृष्टि धोवन से प्रवाहित।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपरदनात्मक स्थलरूप



पेडीमेंट

- मरुस्थल में भूदृश्य का विकास मुख्यत: पेडीमेंट का निर्माण व उसका विकसित रूप है।
- गिरीपद पर मलबे रहित या मलबे सहित मंद ढाल वाला चट्टानी तल।
- निर्माण- पर्वतीय अग्रभाग के अपरदन से।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

इन्सेलबर्ग

- समान्तर ढाल निवर्तन द्वारा पर्वतों के अग्रभाग का अपरदर करते हुए पेडीमेंट का आगे बढना।
- पर्वत का घिसते हुए पीछे हटना।
- पर्वतों का विशिष्ट रूप।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पदस्थली / पेडीप्लेन

- मरूस्थलीय प्रदेश में उच्च धरातल, आकृति विहीन मैदान में परिवर्तित।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्लाया

- पर्वतों व पहाड़ियों से घिरे बेसिन
- अपवाह मुख्यत: बेसिन के मध्य
- अपसाद जमाव
- बेसिन के मध्य समतल मैदान
- उथले जल क्षेत्र में परिवर्तित

कल्लर भूमि

- ऐसे प्लाया मैदान जो लवणों से भरे हो।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाहन गर्त

- पवन का एक ही दिशा में स्थायी प्रवाह
- असंगठित मिट्टी का अपवाहन
- उथले गर्त



गुहा

- गहरा वात गर्त

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

छत्रक

- मरूस्थलों में चट्टानों का अपवाहन व अपघर्षण
- नरम चट्टान का अपघर्षण अधिक
- ऊपरी भाग विस्तृत व गोल, टोपीनुमा
- आधार भाग पतला



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

टेबल व पीठिक शैल

- प्रतिरोधी (कठोर) चट्टान का ऊपरी हिस्सा मेज की भाँति विस्तृत।
- चट्टानों के अधिकतर ऐसे अवशेष पीठिका की भाँति खड़े रहते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निक्षेपित स्थलरूप

पवन एक छंटाई करने वाला कारक (sorting agent)

साल्टेशन

- पवन के वेग के अनुरूप मोटे आकार के कण धरातल के साथ घर्षण करते हुए चले आते हैं और अपने टकराने से अन्य कणों को ढीला कर देते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बालू- टिब्बे

बरखान

- नव चन्द्राकार टिब्बा
- भुजाएँ पवन की दिशा में



परवलयिक

- रेतीले धरातल पर आंशिक वनस्पति
- पवनों की दिशा में स्थायी रहे

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अनुदैर्ध्य

- रेत की आपूर्ति कम
- पवन की दिशा स्थायी
- अत्यधिक लम्बाई व कम ऊँचाई के कटक प्रतीत।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अनुप्रस्थ

- प्रचलित पवन के समकोण पर निर्माण।
- पवनी की दिशा व रेत स्त्रोत समकोण पर हो।
- अधिक लम्बाई व कम ऊँचाई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 | पवन के अपरदन से निर्मित स्थलाकृति नहीं है-



अ बरखान

ब इन्सेलबर्ग

स वात-गर्त

द छत्रक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 निम्न में से कौनसा बालूका स्तूप प्रचलित पवन के समकोण पर निर्मित होता है?

अ अनुदैर्ध्य

ब अनुप्रस्थ

स बरखान

द परवलयिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3 निम्न में कौनसी स्थलाकृति पवन के निक्षेपण से निर्मित नहीं है?

अ परवलयिक

ब अनुदैर्ध्य बालू-टिब्बा

स सीफ

द छत्रक